भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3241
21/08/2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

ब्लू कार्बन मैपिंग पहल

3241 श्रीमती रेखा शर्मा:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि**:**

(क) क्या सरकार ने मैंग्रोव क्षेत्रों में ब्लू कार्बन स्टॉक का आकलन आरम्भ किया है;
(ख) यदि हाँ, तो ऐसे आकलन के अंतर्गत शामिल किए गए क्षेत्रों का ब्यौरा क्या है; और
(ग) जलवायु रोधक्षम कार्यनीतियों के समर्थन हेतु प्राप्त आंकड़ों का उपयोग किस प्रकार किया जा रहा है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) जी हाँ। कार्बन सिक्वेस्ट्रेशन क्षमता को परिमाणित करने के लिए अनुसंधान और निगरानी प्रयासों के एक भाग के रूप में भारत के मैंग्रोव क्षेत्रों में ब्लू कार्बन स्टॉक का आकलन किया गया है।

(ख) पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ एंड सीसी) के अंतर्गत भारतीय वन सर्वेक्षण (एफएसआई) ने 'मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र में कार्बन स्टॉक का आकलन' नाम से राष्ट्रीय स्तर का आकलन संचालित किया है। भारतीय वन सर्वेक्षण द्वारा यह आकलन उन सभी 12 राज्यों और संघ राज्यों में किया गया जहाँ मैंग्रोव वन पाए जाते हैं।

(ग) ब्लू कार्बन आकलन से प्राप्त आँकड़े मैंग्रोव की कार्बन अवशोषण क्षमता का आकलन करके जलवायु परिवर्तन से निपटने की रणनीतियाँ बनाने के लिए महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करते हैं। यह भारत के राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदानों (एनडीसी) के अंतर्गत कार्बन बजटिंग और रिपोर्टिंग एवं पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं को बनाए रखने हेतु प्राथमिकता वाले संरक्षण क्षेत्रों की पहचान में सहायक है। यह तटीय पारिस्थितिकी तंत्र और आवासों की स्थिरता को बनाए रखने और बढ़ाने के लिए मैंग्रोव को पुनर्स्थापित और बढ़ावा देने हेतु भारत सरकार द्वारा तटीय राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के सहयोग से शुरू की गई "मैंग्रोव इनिशिएटिव फॉर शोरलाइन हैबिटेट्स एंड टैंजिबल इनकम्स (MISHTI)" जैसी पहलों की योजना बनाने में सहायक है। यह तटीय समुदायों और आजीविका की रक्षा करने वाले प्राकृतिक बायो-शील्ड के रूप में स्वस्थ मैंग्रोव की भूमिका पर भी प्रकाश डालता है।

*****